UG study material for students of History

Subject : History

Class : UG Semester IV
Paper : MJC - VI

Topic ; Reforms of Napoleon as first Councillor (प्रथम कॉन्सलर के रूप में नेपोलियन के सुधार) : II

By : Dr. Rajiv Nayan
Associate Professor,
Dept. of History,
Jagjiwan College, Ara.

Scanned by CamScanner

प्रथम कॉन्सलर के रूप में नेपोलियन के सुधार : II
(Reforms of Napoleon as first Councillor) : II

प्रशासनिक सुधार -

नेपोलियन ने फ्रांस की प्रशासनिक व्यवस्था में भी सुधार किया और केन्द्रीय तथा स्थानीय शासन को पूर्णतः केन्द्रित करके जनता को राजनीतिक अधिकारों से विमुख कर दिया। स्थानीय सरकार में परिवर्तन करते समय नेपोलियन ने शाही (बूर्बों वंश) तथा क्रांतिकारी कालखण्डों की नसीहतों से फायदा उठाया। उसने 1800 ई० में फ्रांस की स्थानीय सरकार की प्रणाली का केन्द्रीकरण किया। सम्पूर्ण स्थानीय प्रशासन को उसने केन्द्रीय सरकार का अधीनस्थ बनाया। स्थानीय सरकारों का क्रांतिकालीन विभाजन उसने कायम रखा, लेकिन स्थानीय अधिकारियों की चुनाव के द्वारा नियुक्ति का सिद्धांत रद्द कर दिया। हर विभाग की प्रशासनिक अधिसत्ता अब एक 'प्रिफेक्ट' (Prefect) [यह नाम भी प्राचीन रोम से लिया गया था] के अधीन थी। हर जिले का अपना एक 'सब प्रिफेक्ट' (Sub Prefect) तथा हर कम्यून का एक मेयर होता था। ये सभी अधिकारी पेरिस की केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त किये जाते थे। स्वयं पेरिस को बारह (12) जिलों में बाँट दिया

Scanned by CamScanner

गया, हर एक का मेयर अलग था और पूरा शहर एक 'प्रिफेक्ट ऑफ पुलिस' के अधीन था। जिस तरह स्थानीय सरकार के क्रांतिकालीन विभाग अब भी फ्रांस में विद्यमान हैं, उसी तरह नेपोलियन द्वारा प्रारंभ केन्द्र-सरकार से नियुक्त अधिकारियों की प्रणाली भी बरकरार है।

नयी व्यवस्था ने कानूनों को तथा केन्द्रीय सरकार के फरमानों को तत्परता से, एकरूपता से तथा बिना ढीले-ढवाले के लागू करने का आश्वासन दिया। प्रशासन के क्षेत्र में नेपोलियन का यह सुधार क्रांति-विरोधी था; क्योंकि नेशनल एसेम्बली ने क्रांति के दौरान प्रशासनिक ढाँचे का पूर्ण विकेन्द्रीकरण कर दिया था तथा देश का शासन चलाने का दायित्व निर्वाचित प्रतिनिधियों को दिया गया था। लेकिन, नेपोलियन ने इस व्यवस्था को उलट दिया।

नेपोलियन ने एक राज्य सचिवालय विकसित किया जिसे बाद में उसने राज्य मंत्रालय में बदल दिया। वह एक केन्द्रीय पंजीयिका (Registry) बन गयी जो विभिन्न मंत्रालयों को बिना सामूहिक उत्तरदायित्व दिये, उनका पर्यवेक्षण करने में उसे सक्षम बनाती थी। करों का आकलन तथा संग्रह करने के लिए एक केंद्रीकृत प्रशासन स्थापित किया गया। कर-वसूल करने वालों को अनुमानित राजस्व का एक हिस्सा अग्रिम जमा कराना होता था। ये सुधार

Scanned by CamScanner

मार्टिन गॉडिन के मस्तिष्क की उपज थे, जो पुरानी शासन-व्यवस्था का एक वित्तीय विशेषज्ञ नौकरशाह था। यह नेपोलियन की विशेषता थी कि वह योग्यतम उपलब्ध व्यक्तियों का उपयोग करते समय उनकी पूर्व की निष्ठा के आधार पर पूर्वाग्रह से ग्रसित नहीं होता था। 1800 ई० तक कर-उगाही पूर्ण हो गयी।

दीवानी प्रशासन में इन सुधारों के बारे में हेरोल्ड की राय है, "जिस निडरता से नौजवान, अनुभवहीन सेनानी, अकेले आदमी के बूते से बाहर प्रतीत होने वाली समस्याओं से दो-चार हुआ, वह नेपोलियन के मन की वीरता का लक्षण था। उसमें एक हनुमान सा (हर्क्यूलिस) छिपा हुआ था। जरा सोचिए, कैसे एक तीस वर्षीय प्रधान कौंसल सत्ता ग्रहण करते ही, कुछ ही हफ्तों में एक ऐसा नागरी प्रशासन स्थापित कर देता है जो फ्रांस के लिए विगत डेढ़ सौ वर्षों से टिकाऊ, एकमात्र स्थिर राजनीतिक संस्था सिद्ध हुई है। कुछ लोग हैं जो नेपोलियन में एक सैनिक महाबली को देखते हैं, एक तानाशाह को, जैसे हनुमान (पाश्चात्य हर्क्युलीज) अपने मस्तिष्क की अपेक्षा अपने बाहुबल के लिए ही ज्यादा जाने-माने जाते हैं। फिर भी, एक सैनिक-वादी निडर योजना तैयार करने के लिए उसी तरह असाधारण मानसिक शक्ति जरूरी है,

Scanned by CamScanner

जैसे हनुमान की तरह अकेले पहाड़ उठा लाने और समुद्र पार करने में, या हरक्यूलीज की तरह ऑजियन अस्तबल को साफ करने में।★ किसी कृषि महाविद्यालय का स्नातक भी ऐसी बात सोच तक नहीं सकता था। ~~सिकन्दर जैसा~~

हालाँकि, नेपोलियन पर यह आरोप लगाया जाता है कि उसने फ्रांस पर क्रांति-पूर्व व्यवस्था को फिर से थोप दिया; लेकिन यहाँ प्रश्न शायद वर्ग के नजरिये में अंतर का भी है। इस क्रांति-विरोधी कृत्य के बावजूद नेपोलियन के प्रशासनिक सुधार उसकी एक स्थायी कीर्ति हैं। आज भी यही प्रशासनिक ढाँचा फ्रांस में कायम है।

★ हरक्यूलीज ने विशाल अस्तबल को राजा की आज्ञानुसार पूरा [illegible] साफ करते रहने की बजाय नदी की धारा ही उस ओर मोड़ दी